NEW ERA PUBLIC SCHOOL (2020-2021)

CLASS :- 8th SUBJECT : HINDI A/B

SOLVED ASSIGNMENT FOR UNIT-I

पाठ - 1
ध्वनि

प्रश्नों के उत्तर लिखो :

प्र०1 : कवि को ऐसा विश्वास क्यों है कि उसका अंत अभी नहीं होगा ?

उ० कवि को ऐसा विश्वास इसलिए है क्योंकि अभी-अभी उसके जीवन में कोमल, मधुर, दयामय और सुकुमार वसंत का आगमन हुआ है। उसके जीवन में काफी लंबे समय के बाद खुशियाँ आई हैं। कवि का जीवन अत्यंत सुखपूर्ण व्यतीत हो रहा है अतः उसे विश्वास है अभी उसका अंत नहीं हो सकता।

प्र०2 : फूलों को अनंत तक विकसित करने के लिए कवि कौन-कौन सा प्रयास करता है ?

उ० फूलों को अनंत तक विकसित होने का

द्वार दिखाने के लिए कवि कहता है कि वह फूलों के आलसीपन को समाप्त कर देगा। उन्हें विकसित करने के लिए वह अपने जीवन के खुशी रूपी अमृत को उनके लिए सींच देगा जिससे वे अनंत समय तक खिले रहेंगे।

प्र०3: कवि पुष्पों की तंद्रा और आलस्य को दूर हटाने के लिए क्या करना चाहता है?

उ०: कवि सोई हुई कलियों की तंद्रा एवं आलस्य को दूर हटाने के लिए उन्हें अपने कोमल-कोमल प्यारे सपने अर्पित करना चाहता है। उन कलियों के लिए सूर्य को प्रकट कर उन्हें जगाना चाहता है। कवि प्रत्येक स्तर पर कलियों की निद्रा को भगाना चाहता है।

प्र०4: बसंत को ऋतुराज क्यों कहा जाता है?

उ०: भारत अनेक ऋतुओं का देश है। यहाँ गर्मी, सर्दी, बरसात, पतझड़, बसंत आदि छः ऋतुओं का आगमन होता है, इसमें गर्मी, सर्दी, वर्षा आदि किसी की अधिकता नहीं होती।

Scanned with CamScanner

निम्नलिखित पुनरावृत्त शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

1. बातों - बातों में : रमेश बातों - बातों में सभी को अपना बना लेता है।
2. लाल - लाल :- गीता का चेहरा लज्जा के कारण लाल हो गया।
3. सुबह - सुबह :- अधिकतर लोग सुबह - सुबह सैर करने जाते हैं।
4. रातों - रात :- रातों - रात सरकार ने शहर की काया पलट कर दी।
5. घड़ी - घड़ी :- राकेश जाने क्यों ? घड़ी - घड़ी फोन करके मुझे परेशान करता रहता है ?

प्र: रिक्त स्थान भरें :

1. 'ध्वनि' कविता का कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' हैं।
2. मेरे वन में मृदुल वसंत।
3. जगा एक प्रत्यूष मनोहर।
4. पुष्प - पुष्प से तंद्रालस लालसा खींच लूँगा मैं।
5. अभी न होगा मेरा अंत।

Scanned with CamScanner

पाठ 2
लाख की चूड़ियाँ

शब्दों के अर्थ

लाख - लाल रंग की एक विशेष पदार्थ
नाज़ुक - कमजोर, सहसा - अचानक,
आँगन - घर के बीच में खुला स्थान,
अतीत - बीता हुआ समय, व्यथा - पीड़ा,
निगाह - दृष्टि, नजर.

प्रश्नों के उत्तर

प्र०1: बचपन में लेखक अपने मामा के गाँव चाव से क्यों जाता था और बदलू को 'बदलू मामा' न कहकर 'बदलू काका' क्यों कहता था?

उ० लेखक अपने मामा के गाँव बड़े ही चाव से इसलिए जाता था क्योंकि बदलू मनिहार उसे सबसे अच्छा लगता था। वह लेखक को सुंदर-सुंदर लाख की गोलियाँ बनाकर देता था। लेखक बदलू को 'मामा' न कहकर 'काका' इसलिए कहता है क्योंकि गाँव के सारे बच्चे से 'बदलू काका' कहकर पुकारते थे।

Scanned with CamScanner

प्र०2: मशीनी युग ने कितने हाथ किस काट दिए हैं ?

उ० 'मशीनी युग ने कितने हाथ काट दिए हैं' पंक्ति में लेखक ने समाज में बढ़ती बेरोजगारी और बेकारी की समस्या की ओर संकेत किया है। जिस काम को दस व्यक्ति अलग-अलग तरीको से करते थे अब एक अकेली मशीन सैकड़ो लोगों का काम स्वयं कर जाती है। अत: लेखक का कथन कि- मशीनी युग ने कितने हाथ काट दिए है लघु उद्योग और ग्रमीण क्षेत्र में छोटा व्यवसाय करने वालों की असीम पीड़ा को उजागर किया है।

प्र०3: मशीनी युग से बदलू के जीवन में क्या बदलाव आया ?

उ० मशीनी युग के आने के बाद बदलू का जीवन पूर्ण रूप से बदल गया। उसकी हालत अत्यंत दयनीय हो गई। उसके हाथो की बनी चूडियाँ अब कोई खरीदता नहीं था। साथ-साथ उसे फसली खांसी भी हो गई थी। सबसे प्रमुख कारण उसका रोजगार न होना था, जो उसकी गरीबी लगातार बढ़ा रहा था।

रिक्त स्थान भरे

1. सारे गाँव में बदलू मुझे सबसे अच्छा आदमी लगता था।

2. जिसमें एक पुराना नीम का वृक्ष लगा था।

3. बदलू मनिहार था

4. लेकिन काँच बड़ा खतरनाक होता है।

5. गोरी-गोरी कलाइयों पर लाख की चूड़ियाँ।

पाठ - 3
अपराजिता

शब्दों के अर्थ

दंडित - सजा दी, कठोरतम - बहुत सख्त, निर्जीव - बेजान, परिचय - जानकारी, नियति - भाग्य, विषाद - दुःख, भयानक - डरावना, साधना - तपस्या।

प्र० 1. डॉ० चंद्रा को पहली बार देखकर लेखिका के मन में क्या-क्या भाव उठे?

उ०. लेखिका ने जब चंद्रा को कार से उतरते और बैसाखियों के सहारे व्हील-चेयर पर बैठते देखा तो उसे बड़ा आश्चर्य

चंद्रा स्वयं ही व्हील चेयर चलाती और कोठी के अंदर चली जाती। एक अपंग लड़की किस प्रकार साहस दिखा रही है, यह लेखिका के लिए अनोखी बात थी।

प्र०2: लेखिका ने डॉ० चंद्रा को सामान्य जनों से किन बातों में भिन्न पाया ?

उ०: चंद्रा अपंग लड़की थी। उसके शरीर का निचला धड़ बिलकुल बेजान थी। निम्नलिखित कारणों से वह सामन्य जनों से भिन्न थी।

1, वह हमेशा प्रसन्न रहती थी। उसके चेहरे पर विषाद की रेखा तक न आती।

2. उसमें अदम्य उत्साह भरा रहता।

3. वह भरपूर जीवन जीने की चाह रखती थी।

प्र०3: राणा सांगा कौन थे ? लेखिका को बरबस उनका स्मरण क्यों हो आया ?

उ०: राणा सांगा राजपूताना के एक महान योद्धा था। उन्होंने राजपूती आन-शान और हमेशा बनाये रखा। युद्ध में लड़ते हुए उनके शरीर पर अस्सी घाव आ गए थे।

अपंग लड़की चंद्रा को देखकर लेखिका को अचानक वीर राणा सांगा की याद आ गई। चंद्रा के शरीर का बिचला भाग पूरी तरह निष्क्रिय था। फिर भी वह जीवन संघर्ष में हार मानने को तैयार न थी बल्कि वह अपने साहस और धैर्य के बल पर प्रगति की ओर अग्रसर रही।

रिक्त स्थान भरे :

1. अपराजिता पाठ शिवानी द्वारा रचित है।
2. धीरे-धीरे मेरा उनसे परिचय हुआ।
3. आजकल वह आई. आई. टी मद्रास में काम कर रही है।
4. 1976 में जब चंद्रा को डॉक्टरेट मिली माइक्रोबायोलॉजी में।
5. ईश्वर सब द्वार एक साथ बंद नहीं करता।

प्र० संज्ञा किसे कहते है? इसके कितने भेद है?

उ०: किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान अथवा नाम का बोध हो उसे संज्ञा कहते है इसके तीन भेद है।

Scanned with CamScanner

हिन्दी व्याकरण

निबंध :
दीपावली, रक्षा बंधन, प्रदूषण की समस्या, महँगाई

पत्र
1. अपने विद्यालय के मुख्याध्यापक को बीमारी के कारण अवकाश प्रार्थना-पत्र लिखो।
2. धन मँगवाने के लिए पिता जी को पत्र लिखें।
3. मित्र को उसकी परीक्षा में सफलता पर, बधाई पत्र लिखो।

4. विलोम (1-20)
मुहावरे (1-20)
पर्यायवाची (1-20)
लिंग (1-20)

Scanned with CamScanner